B.Ed. IInd Year

Subject :- Knowledge Language and Curriculum

Topic :- Interdisciplinary Curriculum
(अन्तर्विषयी पाठ्यक्रम)

अन्तर्विषयी आयाम एक नवीन मनधारणा है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका की देन है। इसका अर्थ विभिन्न विषयों में अन्तः प्रक्रिया सम्बन्ध स्थापित करने से है। इसके अनुसार अध्ययन विषय से अभिप्राय अध्ययन के उस क्षेत्र से है, जिसकी कुछ धारणाओं मान्यताओं और संकल्पनाओं के साथ अपनी विशिष्ट विषय-वस्तु तथा अध्ययन विधियां होती हैं। एक विषय के अध्ययन में दूसरे विषयों की सहायता प्राप्त करनी होती है। क्योंकि सम्पूर्ण ज्ञान एक इकाई है, उसे अलग-अलग नहीं पढ़ाया जा सकता। वस्तुतः विषयों का विभाजन कृत्रिम है।

अन्तर्विषयी आयाम से विभिन्न विषयों के तथ्य और सिद्धान्तों के स्पष्टीकरण में बहुत सहायता मिलती है। इससे एक विषय का दूसरे विषय पर पड़ने वाले प्रभाव का पता चलता है और इस बात का भी ज्ञान होता है कि दूसरे विषयों की कौन-2 सी बात ऐसी हैं। जिनकी ~~सहायता~~ जानकारी हम हर विषय में दे सकते हैं।

एस० पी० गुप्ता के अनुसार :- "अन्तर्विषयी अभिगमन का उद्देश्य विभिन्न संकायों या विषयों को एक दूसरे से निकट लाकर उनमें परस्पर सम्बन्ध स्थापित करना है।"

P.T.O.

Scanned with CamScanner

अन्तर्विषयी आधार की आवश्यकता एवं महत्त्व को निम्न प्रकार से समझते हैं।

⇒ अत्यधिक विशिष्टीकरण के दोषों को दूर करने के लिए इसकी आवश्यकता है।
⇒ सभी विषय मनुष्य का अध्ययन करते हैं, जो एक इकाई है।
⇒ कोई भी विषय अपने में पूर्ण नहीं है।
⇒ आधुनिक जीवन में सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, आर्थिक शक्तियों द्वारा उत्पन्न विषम समस्याओं के अध्ययन एवं विश्लेषण में यह सहायक है।
⇒ अध्ययन को अधिक उपयोगी और व्यावहारिक बनाने के लिए इसकी आवश्यकता है।
⇒ जीवन के विभिन्न क्षेत्रों की वास्तविक समस्याओं का अध्ययन करने के लिए इसकी आवश्यकता है।
⇒ वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण प्राप्त करने के लिए यह आवश्यक है।

Scanned with CamScanner